

୨

କ୍ଷେ

ଅ । ତ୍ରୁଦ୍ଧଶୁଦ୍ଧାସର୍ଵଦ୍ଵାରା ସିଂହାଶାନ୍ତିରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରାଯାଇଥାଏ ॥ ॥

19

卷之三

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

॥ ५ ॥ गीतार्थामानुसूतीम् ॥ एवामा एतेषदगद्योष्ट्वा क्षेत्रं विश्वामीवर्णव
 ६ ॥ एवं द्वयामानुसूतीम् ॥ श्वेताम्बरक्षेत्रं वाऽद्यद्वयक्षेत्रामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ युवाम्बरमानुसूतीम् ॥
 ७ ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥
 ८ ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥
 ९ ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥ एवामानुसूतीम् ॥

५१।
महिला

॥

o